Naidunia (Indore), 30th January 2025, Naidunia City, Page – I

स्टार्टअप्स को मिलेंगे फंडिंग के पंख, आइआइटी इंदौर करेगा मदद

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : डिजिटल हेल्थकेयर, इंटेलिजेंट मैन्यूफैक्चरिंग और साइबर फिजिकल सिस्टम्स सहित अन्य क्षेत्रों में गहरे तकनीकी इनोवेशन को पहचानने, फंडिंग और मेंटरशिप प्रदान करने के उद्देश्य से आइआइटी इंदौर बड़ी पहल करने जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्टार्टअप को एक करोड़ रुपये तक की फंडिंग दी जाएगी। आआइटी इंदौर के दिशा प्रोग्राम के तहत स्टार्टअप यह आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्हें मेंटरशीप भी उपलब्ध कराई जाएगी। आइआइटी इंदौर के आइआइटीआइ सीपीएस फाउंडेशन ने डेवलपिंग इनोवेशन्स फार सक्सेसफुल हार्नेसिंग एंड एडाप्शन, दृष्टी प्रोग्राम लांच किया है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को गहरे तकनीकी इनोवेशन को व्यावसायिक समाधानों में बदलने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

ये कर सकते हैं आवेदन : देश के उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े फैकल्टी, शोधकर्ता और विद्यार्थी, ऐसे स्टार्टअप जो प्राइवेट लिमिटेड या एलएलपी के रूप में पंजीकृत हैं, मौजूदा स्टार्टअप जो शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर तकनीकी उन्नयन या आइपी कमर्शियलाइजेशन के लिए तैयार हैं, वे सभी आवेदन कर सकते हैं। प्रोग्राम के तहत शुरुआती तौर पर 50 लाख रुपये तक की फंडिंग दी जाएगी और प्रदर्शन के आधार पर अतिरिक्त 50 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। इस दौरान स्टार्टअप को तकनीकी और व्यावसायिक रणनीतियों में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। साथ ही आइपी फाइलिंग, स्टार्टअप पंजीकरण और व्यावसायीकरण की योजना बनाने में सहयोग और शुरुआती चरण के विकास के लिए टूल्स और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस प्रोग्राम के आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि नौ फरवरी 2025 है। इच्छुक उम्मीदवार को अपने प्रपोजल और सभी आवश्यक दस्तावेज आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की आधिकारिक वेबसाइट पर जमा करानी होगी। 19 फरवरी को परिणामों की घोषणा होगी और 10 मार्च को फंड वितरण किया जाएगा।

यहां भी मौका: प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रानिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड और आइआइटीआइ इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से एमपी इनोवेस्ट स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता टेक इन्वेस्ट एमपी के तहत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का हिस्सा है। इस प्रतियोगिता में टेक्नोलाजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, फिनटेक, एग्रीटेक, इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग और मैन्यूफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे मध्यप्रदेश के स्टार्टअप्स आवेदन कर सकते हैं। स्टार्टअप्स का डीपीआइआइटी के तहत स्टार्टअप इंडिया में पंजीकरण होना चाहिए। इसके तहत स्टार्टअप को राज्य और देश के प्रमुख उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं से जुड़ने और निवेश व मेंटरशिप के जरिए अपने स्टार्टअप को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मौका मिलेगा।